

उत्तराखण्ड शासन
महिला सशक्तिकरण एवं ग्रामीण विकास विभाग
संख्या:-3020/ XXXVI (9)/2010/स्टाम्प-09/2010
देहरादून : दिनांक : 14 दिसम्बर 2012

अधिसूचना

राज्यपाल, उत्तराखण्ड विवाहों का अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 2010 (उत्तराखण्ड अधिनियम संख्या 19 वर्ष 2010) की धारा 19 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए विवाहों के अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण के विनियमन के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं :-

उत्तराखण्ड विवाहों का अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण नियमावली, 2012

- संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारम्भ
1. (1) इस नियमावली का संक्षिप्त नाम उत्तराखण्ड विवाहों का अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण नियमावली, 2012 है।
(2) इसका विस्तार सम्पूर्ण उत्तराखण्ड राज्य में होगा।
(3) यह ऐसे दिनांक से प्रवृत्त होगी, जिसे राज्य सरकार, अधिसूचना द्वारा, एतदर्थ नियत करे।
- परिभाषाये
2. जब तक प्रसंग से अन्यथा अपेक्षित न हो, इस नियमावली में -
(क) "अधिनियम" से उत्तराखण्ड विवाहों का अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 2010 (उत्तराखण्ड अधिनियम संख्या 19 वर्ष 2010) अभिप्रेत है;
(ख) "महानिबंधक" रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (अधिनियम संख्या 16, वर्ष 1908) की धारा 3 के अधीन नियुक्त रजिस्ट्रीकरण का महानिरीक्षक अभिप्रेत है;
(ग) "विवाह" से कोई ऐसा विवाह अभिप्रेत है, जो उत्तराखण्ड विवाहों का अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 2010 की धारा 2 के खण्ड (ड) से आच्छादित हो ;
(घ) "जिला निबंधक" से धारा 6 के अधीन नियुक्त जिले का रजिस्ट्रार अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत उक्त अधिनियम की धारा 10 और 11 के अधीन रजिस्ट्रार का कार्य करने वाला अधिकारी भी सम्मिलित है;
(ङ) "स्थानीय निबंधक" से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (अधिनियम संख्या 16 वर्ष 1908) के अधीन राज्य सरकार द्वारा नियुक्त उपनिबंधक अभिप्रेत

1. 

है और इसके अन्तर्गत उक्त अधिनियम की धारा 12 के
अधीन यथानियुक्त व्यक्ति भी सम्मिलित है;

(च) शब्द व अभिव्यक्ति, जो यहाँ प्रयोग हुए हैं और इसमें परिभाषित नहीं
हैं परन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, उनके क्रमशः वही अर्थ होंगे, जो
अधिनियम में परिभाषित हैं।

- जिला निबंधक एवं
स्थानीय निबंधक की
क्षेत्रकारिता विवाहों
का रजिस्ट्रीकरण
3. इस नियमावली के प्रयोजन के लिए प्रत्येक उपनिबंधक तथा जिला
निबंधक क्रमशः अपनी स्थानीय तथा जिले की अधिकारिता के भीतर
शक्तियों का प्रयोग तथा कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे।
- विवाहों का
रजिस्ट्रीकरण
4. (1) किसी विवाह के पक्षकार, नियम 10 में निर्दिष्ट फीस का भुगतान करने पर
अपने विवाह के सम्बद्ध ब्यौरे को उपनिबंधक के कार्यालय में इस प्रयोजन
के लिए रखे गये विवाह रजिस्टर में दर्ज करवा सकते हैं।
- (2) विवाह के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन-पत्र (विवाह का ज्ञापन)
अधिनियम में दिए गए अनुसूची 'क' के अनुरूप दो प्रतियों में सम्बन्धित
अधिकारिता वाले उपनिबंधक को, जिसकी अधिकारिता के भीतर विवाह
सम्पन्न हुआ हो अथवा जिसकी अधिकारिता के भीतर स्थायी रूप से
निवास करता हो, को प्रस्तुत किया जायेगा किन्तु जिला निबंधक
स्वविवेकानुसार, ऐसे आवेदन-पत्र ग्रहण कर सकेगा। आवेदन-पत्र की
एक प्रति उपनिबंधक कार्यालय में तथा एक प्रति जिला निबंधक कार्यालय
में अनुरक्षित की जायेगी।
- (3) उपनियम (2) में उल्लिखित आवेदन-पत्र के साथ पक्षकारों की पहचान
तथा आवेदन-पत्र में आये हुये अन्य ब्योरों की सत्यता के सम्बन्ध में
किसी संसद सदस्य, राज्य विधान मण्डल का सदस्य, राजपत्रित
अधिकारी, ग्राम सभा के प्रधान, न्याय पंचायत के सरपंच, जिला पंचायत
के सदस्य/अध्यक्ष, क्षेत्र समिति के सदस्य/प्रमुख नगरपालिका, नगर
निगम, टारून बोर्ड, कैंन्टोन्मैन्ट बोर्ड के सदस्य/ अध्यक्ष, अर्थात् स्थानीय
निकाय के सभासद/सदस्य/पार्षद/अध्यक्ष द्वारा प्रदत्त एक प्रमाण-पत्र
संलग्न किया जाना होगा और यदि विवाह का कोई पक्षकार भारत के

बाहर का निवासी हो तो उस पक्षकार की पहचान तथा आवेदन-पत्र में आये हुये अन्य व्योरों की सत्यता के संबध में पक्षकार की नागरिकता वाले देश के भारत स्थित कन्सुल या उप-कन्सुल द्वारा प्रदत्त पुष्टि से संबधित पत्र/एनओसी आवेदन-पत्र के साथ संलग्न किया जाना अनिवार्य होगा।

- अनिवार्य विवाहों का रजिस्टर/
रजिस्ट्रेशन अभिलेख
5. (1) विवाह के रजिस्ट्रेशन के लिए प्राप्त आवेदन-पत्रों को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्वारा अधिनियम में दी गई अनुसूची 'ख' में क्रमवार दर्ज किया जायेगा।
- (2) विवाह के रजिस्ट्रेशन के प्राप्त आवेदन-पत्रों को अस्वीकार करने संबंधी प्रविष्टि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्वारा अधिनियम में दी गई अनुसूची 'ग' में क्रमवार दर्ज की जायेगी।
- (3) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी प्रत्येक ऐसे सादे रजिस्टर के जो उसे जारी किया गया हो, मुख्य पृष्ठ पर, प्रत्येक ऐसे रजिस्टर में वस्तुतः अन्तर्विष्ट पृष्ठों की संख्या को अपने हस्ताक्षर से प्रमाणित करेगा और उस पर रजिस्टर प्राप्त होने/प्रारम्भ किये जाने का दिनांक भी लिखेगा। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्वारा प्रयुक्त रजिस्ट्रों पर क्रमवार संख्या भी अंकित की जायेगी।
- (4) प्रत्येक कैलेण्डर वर्ष की समाप्ति पर, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी उस वर्ष के दौरान रजिस्ट्रीकृत आवेदन-पत्रों की संख्या प्रमाणित करेगा और जब कभी कोई रजिस्टर भर जाय तो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी उस विशेष रजिस्टर में रजिस्ट्रीकृत आवेदन-पत्रों की संख्या तथा अस्वीकृत आवेदन-पत्रों की संख्या प्रमाणित करेगा।
- आवेदन-पत्रों का प्रस्तुतीकरण/
पृष्ठांकन
6. (1) प्रत्येक आवेदन-पत्र उसकी द्वितीय प्रतिलिपि सहित रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के समक्ष वर द्वारा ही प्रस्तुत किया जायेगा और उसके निष्पादन के लिए उसे वधू द्वारा स्वीकार किया जायेगा। वर एवं वधू की पहचान दो गवाहों द्वारा की जायेगी, जिनके द्वारा अपनी पहचान के संबध में आवश्यक प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत किये जायेंगे। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्वारा आवेदन-पत्र एवं उसकी द्वितीय प्रतिलिपि की दूसरी ओर निम्नलिखित

पृष्ठांकन के साथ उस पर यथाविधि हस्ताक्षर करके पृष्ठांकित
-कि.म) जायेगा; अर्थात्:-

"श्री..... पुत्र श्री.....
निवासी.....पहचान क्रमांक.....ने अपने विवाह
दिनांक.....के ज्ञापन को आज दिनांक.....
को कार्यालय उप निबन्धकमें प्रस्तुत किया,
जिसका निष्पादन श्रीमती.....पत्नी/पुत्री
श्री.....निवासी
पहचान क्रमांकने भी स्वीकार किया, जिनकी पहचान
श्री पुत्र श्री.....
निवासी.....पहचान क्रमांकव
श्री.....पुत्र श्री.....
निवासी.....पहचान क्रमांक.....ने की।

हस्ताक्षर

निबन्धक

विवाह का अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण

हस्ताक्षर व अंगुष्ठ चिह्न

हस्ताक्षर व अंगुष्ठ चिह्न

वर

वधू

हस्ताक्षर व अंगुष्ठ चिह्न

हस्ताक्षर व अंगुष्ठ चिह्न

प्रथम गवाह

द्वितीय गवाह।

- (2) उपर्युक्त कार्यवाही पूर्ण होने के उपरान्त रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्वारा अधिनियम में दी गई अनुसूची 'ख' में संबंधित प्रविष्टियों को पूर्ण कर वर एवं वधू तथा दोनों गवाहों के हस्ताक्षर व अंगुष्ठ चिह्न लेते हुए अधिनियम में दी गई अनुसूची 'घ' में निर्धारित प्रमाण पत्र निर्गत करेंगे।
- (3) प्रस्तुत घोषणा पत्र, यदि निर्धारित औपचारिकताओं को पूर्ण न करता हो तो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी प्रविष्टि कर अधिनियम में दी गई अनुसूची 'च' में आवेदन-पत्र को अस्वीकार किये जाने संबंधी सूचना निर्गत करेगा।

- (4) प्रस्तुत घोषणा पत्र में यदि वर्णित तथ्यों/साक्ष्यों के अनुसार वर अथवा वधू अवयस्क हो तो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अधिनियम में दी गई अनुसूची 'च' में निर्धारित प्रपत्र पर आवेदन-पत्र को अस्वीकार किये जाने संबंधी सूचना निर्गत करते हुए इस विषय में अधिनियम में दी गई अनुसूची 'छ' में स्थानीय पुलिस को सूचित करेगा।
- (5) अधिनियम की धारा 20 में उपबन्धित व्यवस्था के अन्तर्गत रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विवाह का अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण, किसी भी अन्य अधिनियम यथा (क) इण्डियन क्रिस्चियन मैरिज ऐक्ट, 1872; (ख) काजीज ऐक्ट, 1880; (ग) पारसी मैरिज एंड डिवोर्स ऐक्ट, 1936; (घ) हिन्दू मैरिज ऐक्ट, 1955; (ङ) द स्पेशियल मैरिज ऐक्ट, 1954; (च) द फोरैन मैरिज ऐक्ट, 1969 एवं उक्त के अतिरिक्त अन्य प्रवृत्त अधिनियमों के अन्तर्गत पंजीकृत हुये विवाहों के ज्ञापन, जो कि उसके प्राप्त होंगे, को भी दिनांक के क्रमानुसार पृथक-पृथक अनुरक्षित रजिस्टर में फाईल करेगा।
- (6) अधिनियम की धारा 13 में उपबन्धित व्यवस्था के अन्तर्गत रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विवाह का अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण स्वयंमेव अथवा ऐसी सूचना प्राप्त होने पर कि अमुक विवाह पक्षकारों द्वारा पंजीकृत नहीं कराया गया है, अधिनियम में दी गई अनुसूची 'ज' में निर्धारित प्रपत्र पर पक्षकारों को नोटिस जारी करेगा।

आवेदन-पत्र भेजना 7.

प्रत्येक माह के सातवें दिनांक को अथवा उसके पूर्व रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पिछले माह के दौरान प्राप्त सभी आवेदन-पत्रों को द्वितीय (डुप्लीकेट) प्रतिलिपियाँ एक अग्रसारण-पत्र के साथ, जिसमें उन आवेदन-पत्रों की द्वितीय प्रतिलिपियों की क्रम संख्या इंगित की जायेगी, जो साथ भेजे गये हो, जिला निबन्धक को रजिस्टर्ड डाक द्वारा भेजेगा अथवा सीधे प्राप्त करायेगा और यदि पिछले माह में कोई आवेदन-पत्र प्राप्त न हुआ हो तो सूचना शून्य में भी प्रेषित की जायेगी।

द्वितीय प्रतियाँ 8.

नियम 7 के अधीन भेजे गये आवेदन-पत्रों की द्वितीय प्रतिलिपियाँ प्राप्त होने पर जिला निबन्धक ऐसी द्वितीय प्रतिलिपियों को जिला निबन्धक कार्यालय में अनुरक्षित करेगा।

जिल्दबन्दी आवेदन पत्र और विवाह पंजीकरण प्रमाण-पत्र

9. रजिस्ट्रार नियम 4 के अधीन यथाविधि दिये गये प्रत्येक आवेदन-पत्र के क्रमवार प्राप्त हुए आवेदन-पत्र एवं उक्त आवेदन-पत्र के अनुक्रम निर्गत किये गये विवाह पंजीकरण प्रमाण पत्रों की क्रमवार जिल्दबन्दी करायेगा, जो कि 400 पृष्ठों के अनुसार निर्मित होगी। उक्त निर्मित जिल्द स्थायी रूप से कार्यालय में अनुरक्षित की जायेगी।

आवेदन-पत्रों का शुल्क

10. (1) विवाह के रजिस्ट्रीकरण के निमित्त आवेदन-पत्र ग्रहण करने के लिए :-
- (क) यदि विवाह के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन-पत्र विवाह संस्कार होने से दिनांक से नब्बे दिन के भीतर किया जाय तो शुल्क ₹ एक सौ एक होगा और यह शुल्क रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी को नकद अदा किया जायेगा;
- (ख) यदि विवाह के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन-पत्र विवाह संस्कार होने के दिनांक से नब्बे दिन के पश्चात् दिया जाय तो शुल्क ₹ दो सौ होगा और वह रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी को नकद अदा किया जायेगा।
- (2) विवाह पंजीकरण प्रमाण पत्र की प्रति प्राप्त करने हेतु शुल्क ₹ पचास होगा, जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी को नकद अदा किया जायेगा। प्रमाणित प्रतिलिपि हेतु आवेदन रजिस्ट्रेशन मैनुअल भाग-2 से परिशिष्ट 1 के प्रपत्र संख्या 28 में किया जायेगा, जिस पर ₹ एक की कोर्ट फीस चस्पा होगी एवं ₹ दस का स्टाम्प शुल्क देय होगा तथा साधारण नकल के लिये ₹ पच्चीस शुल्क देय होगा, जो कि एक सप्ताह में उपलब्ध करायी जायेगी। आवश्यक नकल के लिये ₹ पचास शुल्क देय होगा, जो कि तीन दिन में उपलब्ध करायी जायेगी तथा अतिआवश्यक नकल के लिये ₹ एक सौ शुल्क देय होगा, जो कि अगले दिन उपलब्ध करायी जायेगी। प्रमाणित प्रतिलिपि हेतु आवेदन रजिस्ट्रेशन मैनुअल भाग-2 से परिशिष्ट 1 के प्रपत्र संख्या 9 में प्राविधानित रजिस्टर में दर्ज किये जायेगे।
- (3) मुआयना करने के लिए फीस :-
- (क) यदि प्रविष्टि चालू वर्ष के सम्बन्ध में हो तो शुल्क ₹ पच्चीस मात्र

होगी,

(ख) यदि प्रविष्टि उससे पूर्व वर्ष के सम्बन्ध में हो तो शुल्क ₹ पचास मात्र होगी और इसी प्रकार, प्रत्येक वर्ष के लिए ₹ दस की अतिरिक्त फीस देय होगी।

(4) मुआयना हेतु आवेदन रजिस्ट्रेशन मैनुअल भाग-2 से परिशिष्ट 1 की प्रपत्र संख्या 30 में किया जायेगा, जिस पर आवेदन शुल्क ₹ दस मुआयना फीस के अतिरिक्त देय होगा। मुआयना हेतु आवेदन रजिस्ट्रेशन मैनुअल भाग-2 से परिशिष्ट 1 के प्रपत्र संख्या 11 में प्राविधानित रजिस्टर में दर्ज किये जायेंगे।

रसीद का रूप-पत्र 11.

इस नियमावली के अधीन दी गयी फीस की प्राप्ति स्वीकार करने के लिए रजिस्ट्रेशन मैनुअल भाग-2 से परिशिष्ट 1 के प्रपत्र संख्या 8 में दी गयी रसीद बही से एक रसीद जारी की जायेगी।

शुल्क प्राप्ति रजिस्टर 12.

रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, एक शुल्क प्राप्ति रजिस्टर रजिस्ट्रेशन मैनुअल भाग-2 से परिशिष्ट 1 के प्रपत्र संख्या 13 में रखेगा अथवा रखवायेगा। नियमावली के अधीन प्राप्त सभी फीस की प्रतिदिन शुल्क प्राप्ति बही में प्रविष्टि की जायेगी और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सम्पूर्ण दिवस में फीस की कुल वसूली की शुद्धता का सत्यापन करने के प्रतीक स्वरूप उस पर हस्ताक्षर करेगा एवं प्रतिदिन प्राप्त शुल्क को अगले कार्य-दिवस को राजकीय कोष में जमा करायेगा।

रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी की
शक्तियाँ/कर्तव्य

13. (1) यदि नियम 4 के अधीन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्वारा प्राप्त आवेदन-पत्र किसी प्रकार अपूर्ण या त्रुटि हो अथवा यदि हिन्दू विवाह रजिस्टर से किसी प्रमाणित उद्धरण के लिए आवेदन-पत्र के साथ नियम 10 में निर्दिष्ट फीस अदा न की गयी हो तो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विवाह के पक्षकारों से ऐसे समय के भीतर, जो उसके द्वारा निर्दिष्ट किया जाय, यथास्थिति, त्रुटि को ठीक करने या उक्त फीस का भुगतान करने की अपेक्षा करेगा, ऐसा न करने पर आवेदन-पत्र अस्वीकार कर दिया जायेगा।

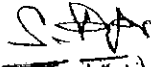
- (2) यदि ऐसा आवेदन-पत्र प्राप्त करने वाले रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी को प्राप्त करने की अधिकारिता न हो तो उसे आवेदक को समुचित प्राधिकार को प्रस्तुत करने के लिए लौटा देगा।
- (3) यदि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रजिस्ट्रीकरण के लिए प्राप्त किसी आवेदन-पत्र पर कोई आपत्ति व्यक्त करता है तो वह उसे जिला निबंधक को भेज देगा, जो उस पर तथा अपने द्वारा प्राप्त आपत्तियों पर निर्णय देगा तथा उसका निर्णय, जहाँ तक रजिस्ट्रीकरण के लिए किसी आवेदन-पत्र की कार्यवाही करने का प्रश्न है, किसी सक्षम न्यायालय के किसी डिक्री आदेश के अधीन रहते हुए अन्तिम होगा।
- (4) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्वारा विवाह के ज्ञापन को पंजीकृत करने के सदाशयतापूर्वक की गई इन्कारि के किसी कारण के लिए रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी उत्तरदायी नहीं होगा, ऐसे प्रकरणों में जिला निबंधक द्वारा कोई भी संज्ञान नहीं लिया जायेगा।
- (6) उत्तराखण्ड विवाहों का अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 2010 (उत्तराखण्ड अधिनियम संख्या 19 वर्ष 2010) की धारा 15 की उपधारा (2) में जिला निबंधक द्वारा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के सम्बन्ध में न्यायालय को कोई भी शिकायत करने से पूर्व धारा 15 की उपधारा (2) के अधीन महानिबंधक का अनुमोदन प्राप्त किया जायेगा। महानिबंधक द्वारा सम्बन्धित रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी का पक्ष प्राप्त करने के उपरान्त एवं उस पर सम्यक् विचारोपरान्त ही ऐसा अनुमोदन प्रदान किया जायेगा अथवा अन्य अनुशासनिक कार्यवाही की जायेगी।
- (7) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी का, उसे प्राप्त विवाह के ज्ञापन को पंजीकृत करने संबंधी अनुरोध पत्र/घोषणा पत्र में वर्णित तथ्यों की सत्यता एवं प्रामाणिकता से कोई सरोकार नहीं होगा। ऐसे बिन्दु आवश्यकता पड़ने पर सक्षम न्यायालय द्वारा निर्णीत किये जायेंगे।
- (8) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी का, उसे प्राप्त विवाह ज्ञापन में वर्णित विवाह की सत्यता एवं वैधता के संबन्ध में विचार करने का कोई अधिकार नहीं होगा। ऐसे मामले आवश्यकता पड़ने पर सक्षम न्यायालय द्वारा निर्णीत किये जायेंगे।



- अधीक्षण 14. रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी/उपनिबंधक अपने कर्तव्यों का पालन तथा शक्तियों का प्रयोग महानिरीक्षक रजिस्ट्रीकरण जो पदेन, राज्य के लिए विवाहों के महानिबंधक होंगे, के सामान्य अधीक्षण के अधीन करेगा।
- आवेदन-पत्र का प्रारूप कार्यालय में रखना 15. रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्वारा रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन-पत्र का प्रारूप कार्यालय में रखा जायेगा। पक्षकार अपने विकल्प पर टंकित प्रपत्रों का प्रयोग कर सकते हैं।
- रजिस्ट्रों तथा अभिलेखों का अनुरक्षण 16. (1) नियमावली में प्राविधानित सभी रजिस्टर तथा नियम 17 में निर्दिष्ट अनुक्रमणिकाएं भर जाने के छः वर्ष के पश्चात् रजिस्ट्रीकरण जिले के मुख्यालय पर केन्द्रीय अभिलेख कक्ष को भेज दिये जायेंगे और वहाँ पर स्थायी रूप से रखे जायेंगे।
(2) सभी अन्य अभिलेख जैसे कि विवाह के घोषणा पत्र के साथ प्राप्त संलग्नक रजिस्ट्रों का मुआयना करने के लिये प्रस्तुत आवेदन पत्र एवं रजिस्टर तथा रजिस्ट्रों से उद्धरण प्राप्त करने के लिए प्रस्तुत आवेदन एवं रजिस्टर तथा सामान्य पत्राचार एवं अन्य सभी पत्राजात आदि एक वर्ष में, रसीद बही तीन वर्ष में, शुल्क प्राप्ति रजिस्टर तथा चालान छः वर्ष की समाप्ति के पश्चात् रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्वारा जिला निबन्धक की अनुमति प्राप्त कर विनष्ट कर दिये जायेंगे।
- विवाह-रजिस्टर में प्रविष्टियों की अनुक्रमणिका बनाना 17. (1) विवाह रजिस्टर में सभी प्रविष्टियों की अनुक्रमणिका इस नियमावली से संलग्न अनुसूची रजिस्टर प्रारूप 'झ' में बनायी जायेगी, जिनमें वर के नाम से एवं वधू के नाम से प्रविष्टि की जायेगी और ऐसी अनुक्रमणिका के निरीक्षण हेतु शुल्क के रूप में :—
(क) यदि प्रविष्टि चालू वर्ष के सम्बन्ध में हो तो ₹ पच्चीस; और
(ख) यदि प्रविष्टि उससे पूर्व वर्ष के सम्बन्ध में हो तो ₹ पचास और इसी प्रकार, प्रत्येक वर्ष के लिए ₹ दस की अतिरिक्त फीस देय होगी।
(2) प्रत्येक वर्ष के लिए ₹ दस की अतिरिक्त फीस देय होगी, जो कि किसी व्यक्ति के निरीक्षण के लिए उपलब्ध रहेगी।

18. (1) उत्तर प्रदेश हिन्दू विवाह (रजिस्ट्रीकरण) नियमावली, 1973 यथाप्रवृत्त उत्तराखण्ड के अन्तर्गत रजिस्ट्रीकृत होने वाले समस्त विवाहों के रजिस्ट्रीकरण कार्यवाही ऐसी दिनांक से, जो कि उत्तराखण्ड विवाहों का अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण नियमावली, 2011 के प्रवृत्त होने का दिनांक नियत किया जाय, उत्तराखण्ड विवाहों का अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण नियमावली, 2011 के अन्तर्गत सम्पादित की जायेगी।
- (2) उपर्युक्त नियमावली में किन्हीं प्रक्रियात्मक तथ्यों का उल्लेख न होने की स्थिति में उत्तराखण्ड विवाहों का अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 2010 (उत्तराखण्ड अधिनियम संख्या 19 वर्ष 2010) से आच्छादित विवाहों के रजिस्ट्रीकरण की प्रक्रिया सन्दर्भगत तथ्य के सम्बन्ध में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम एवं तदधीन बनाई गई नियमावली में निर्धारित नियमों के अनुसार सम्पादित होगी।

आज्ञा से,


(स.स. राज)
प्रमुख सचिव।

अनुसूची 'क'

विवाह का ज्ञापन
(धारा 5 व 6)

उत्तराखण्ड विवाहों का अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 2010

सेवा में,
निबंधक
विवाहों का अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण
(इस प्रपत्र की समस्त प्रविष्टियाँ भरी जानी अनिवार्य है)

.....
जिला.....
उत्तराखण्ड।
महोदय,

हम पर लागू प्राविधानों के अनुसार (पक्षकारों पर लागू धर्म रूढ़ि परम्परा का उल्लेख किया जाये).....के अधोहस्ताक्षरी पक्षकारों के मध्य दिनांक को विवाह सम्पन्न हो गया है और हम अनुरोध करते हैं कि हमारे विवाह की निम्नलिखित विवरणियाँ उत्तराखण्ड विवाहों का अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण रजिस्टर में रजिस्ट्रीकृत कर दी जायें :-

विवाह की विवरणियाँ

1. विवाह की तारीख.....
2. विवाह का स्थल (स्थान के पर्याप्त विवरण के साथ ताकि स्थान का पता लगाया जा सके).....
3. वर की विवरणियाँ -
(क) पूरा नाम और व्यवसाय
(ख) मूल निवास स्थान (केवल विवरण भरा जाये).....
(ग) आयु.....
(घ) निवास का सामान्य स्थान (पिन कोड सहित).....
(ङ) स्थायी पता (पिन कोड सहित).....
(च) आवेदन देते समय पता (पिन कोड सहित).....
(छ) विवाह के समय प्रारिथति, - अविवाहित / विधुर / तलाकशुदा
(ज) पहचान संबंधी साक्ष्यों का विवरण / क्रमांक.....
तारीख
वर के

हस्ताक्षर

टिप्पणी:- उपरोक्त बिन्दु संख्या क से छ के संबंध में आवश्यक प्रमाण पत्रों की सत्यापित प्रति यथा भारत निवार्चन आयोग द्वारा निर्गत वोटर आईडी0 की सत्यापित प्रति अथवा पासपोर्ट की सत्यापित प्रति अथवा आयकर विभाग द्वारा निर्गत PAN/GIR की सत्यापित प्रति अथवा सरकारी विभाग / सरकारी अन्डरटेकिंग / स्थानीय निकाय द्वारा निर्गत फोटो पहचान पत्र की सत्यापित प्रति अथवा बैंक अथवा पोस्ट आफिस की पास बुक जिसमें फोटो प्रमाणित हो की सत्यापित प्रति अथवा पेंशन बुक की सत्यापित प्रति अथवा विकलॉग प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति अथवा शस्त्र प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति अथवा स्वतन्त्रता सेनानी प्रमाणक पहचान पत्र की सत्यापित प्रति अथवा जन्म प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति, विधुर होने की दशा में मृत्यु प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति एवं तलाकशुदा होने की स्थिति में सक्षम न्यायालय द्वारा

विवाह विच्छेद की डिग्री की सत्यापित प्रति एवं विवाह के आवेदन पत्र के पक्षकारों की आयु के संबंध में कोई अन्य प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति तथा विवाह ज्ञापन के पंजीकरण हेतु प्रस्तुत होने का समय यदि विवाह की तिथि दो वर्ष के अवधि से कम है तो विवाह निमन्त्रण पत्र की सत्यापित प्रति अथवा विवाह संस्कार के सम्पन्न होने के स्थान के संबंध में किसी अन्य प्रमाण की सत्यापित प्रति, सलंग्न किये जाये।

4. वधू का विवरण—

(क) पूरा नाम और व्यवसाय

(ख) मूल निवास स्थान (केवल विवरण भरा जाये).....

(ग) आयु.....

(घ) निवास का सामान्य स्थान(पिन कोड सहित).....

(ङ) स्थायी पता(पिन कोड सहित).....

(च) आवेदन देते समय पता(पिन कोड सहित).....

(छ) विवाह के समय प्रारिथति,—अविवाहित / विधुर / तलाकशुदा

(ज) पहचान संबंधी साक्ष्यों का विवरण / क्रमांक.....

तारीख :

वधू

के हस्ताक्षर

टिप्पणी:— उपरोक्त बिन्दु संख्या क से छ के संबंध में आवश्यक प्रमाण पत्रों की सत्यापित प्रति यथा भारत निवार्चन आयोग द्वारा निर्गत वोटर आईडी0 की सत्यापित प्रति अथवा पासपोर्ट की सत्यापित प्रति अथवा आयकर विभाग द्वारा निर्गत PAN/GIR की सत्यापित प्रति अथवा सरकारी विभाग / सरकारी अन्डरटेकिंग / स्थानीय निकाय द्वारा निर्गत फोटो पहचान पत्र की सत्यापित प्रति अथवा बैंक अथवा पोस्ट आफिस की पास बुक जिसमें फोटो प्रमाणित हो की सत्यापित प्रति अथवा पेंशन बुक की सत्यापित प्रति अथवा विकलॉग प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति अथवा शस्त्र प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति अथवा स्वतन्त्रता सेनानी प्रमाणक पहचान पत्र की सत्यापित प्रति अथवा जन्म प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति, विधुर होने की दशा में मृत्यु प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति एवं तलाकशुदा होने की स्थिति में सक्षम न्यायालय द्वारा विवाह विच्छेद की डिग्री की सत्यापित प्रति एवं विवाह के आवेदन पत्र के पक्षकारों की आयु के संबंध में कोई अन्य प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति तथा विवाह ज्ञापन के पंजीकरण हेतु प्रस्तुत होने का समय यदि विवाह की तिथि दो वर्ष के अवधि से कम है तो विवाह निमन्त्रण पत्र की सत्यापित प्रति अथवा विवाह संस्कार के सम्पन्न होने के स्थान के संबंध में किसी अन्य प्रमाण की सत्यापित प्रति, सलंग्न किये जाये।

5. वर के पिता का पूर्ण विवरण—

(क) पूरा नाम.....

(ख) आयु.....

(ग) व्यवसाय

(घ) आवास का सामान्य स्थान.....

(ड) आवेदन देने के समय पता (पिन कोड सहित).....

(च) क्या जीवित हैं या मृत..... वर के
तारीख :

पिता के हस्ताक्षर

नोट :- वर के पिता के हस्ताक्षर बाध्यकारी नहीं हैं।

6. वधू के पिता या अन्य संरक्षक का विवरण—

(क) पूरा नाम.....

(ख) आयु.....

(ग) व्यवसाय

(घ) आवास का सामान्य स्थान.....

(ड) आवेदन देते समय पता(पिन कोड सहित).....

(च) वधू के संरक्षक का सम्बन्ध

तारीख : वधू के

पिता / संरक्षक के हस्ताक्षर

टिप्पणी:- जहाँ आवेदन देने की तारीख को वधू की आयु 18 वर्ष से अधिक है वहाँ वधू के पिता या संरक्षक के हस्ताक्षर बाध्यकारी नहीं हैं परन्तु जहाँ वह आवेदन देने की तारीख को 18 वर्ष से कम है और विवाह की तारीख को ऐसा विवाह तत्समय प्रवृत्त विधि के अनुसार सम्पादित रहा हो, तो उसके पिता अथवा संरक्षक के हस्ताक्षर आवश्यक होंगे।

7. पुरोहित का विवरण :

(क) पूरा नाम.....

(ख) आयु.....

(ग) निवास का सामान्य स्थान.....

(घ) पता.....

नोट- यदि विवाह का समय आवेदन देने की तारीख से एक वर्ष हो चुका है, तो पुरोहित का विवरण अंकित किया जाना बाध्यकारी नहीं है उसके हस्ताक्षर भी बाध्यकारी नहीं है

तारीख

पुरोहित के हस्ताक्षर

घोषणा

हम सत्यनिष्ठा से सशपथ घोषणा करते हैं कि जहाँ तक हमारे विवाह के निष्पादन से सम्बन्ध है। आवेदन पत्र में दिये गये विवरण मेरी अधिकतम जानकारी के अनुसार सही है, और शेष प्राप्त सूचनाओं पर आधारित है, और विश्वास के अनुसार सही है। यदि प्रदत्त सूचनाये त्रुटिपूर्ण पायी जाती है तो उसका समस्त उत्तरदायित्व हम निष्पादकगण का होगा—ईश्वर हमारी सहायता करे।

8. वर के हस्ताक्षर
तारीख

वधू के हस्ताक्षर
तारीख

9. -1-गवाह

(क) पूर्ण नाम

(ख) पिता का नाम

(ग) निवासी(पिन कोड सहित)

(घ) पहचान संबंधी साक्ष्यो का विवरण/कमांक.....

हस्ताक्षर

तारीख

2--गवाह

(क) पूर्ण नाम

(ख) पिता का नाम

(ग) निवासी (पिन कोड सहित)

(घ) पहचान संबंधी साक्ष्यो का विवरण/कमांक.....

हस्ताक्षर

तारीख

टिप्पणी:- गवाहो की पहचान के संबंध में आवश्यक प्रमाण पत्रों की सत्यापित प्रति यथा भारत निवार्चन आयोग द्वारा निर्गत वोटर आई0डी0 की सत्यापित प्रति अथवा पासपोर्ट की सत्यापित प्रति अथवा आयकर विभाग द्वारा निर्गत PAN/GIR की सत्यापित प्रति अथवा सरकारी विभाग/सरकारी अन्डरटेकिंग/स्थानीय निकाय द्वारा निर्गत फोटो पहचान पत्र की सत्यापित प्रति अथवा बैंक अथवा पोस्ट आफिस की पास बुक जिसमें फोटो प्रमाणित हो की सत्यापित प्रति अथवा पेंशन बुक की सत्यापित प्रति अथवा विकलॉग प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति अथवा शस्त्र प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति अथवा स्वतन्त्रता सेनानी प्रमाणक पहचान पत्र की सत्यापित प्रति नाम/पदनाम..... द्वारा प्रमाणित

हस्ताक्षर व मोहर

तारीख

(संसद सदस्य, राज्य विधान मण्डल का सदस्य, राजपत्रित अधिकारी, ग्राम सभा के प्रधान, न्याय पंचायत के सरपंच, जिला पंचायत के सदस्य/अध्यक्ष, क्षेत्र समिति के सदस्य/प्रमुख नगरपालिका, नगर महापालिका, टाउन बोर्ड, कैंन्टोन्मैन्ट बोर्ड के सदस्य/अध्यक्ष, अर्थात् स्थानीय निकाय के सभासद/सदस्य/पार्षद/अध्यक्ष द्वारा प्रदत्त होगा और यदि विवाह का कोई पक्षकार भारत के बाहर का निवासी हो तो उस पक्षकार की नागरिकता वाले देश के भारत स्थित कन्सुल या उप-कन्सुल द्वारा प्रदत्त पुष्टि से संबंधित पत्र/एन0ओ0सी0)

टिप्पणी—जहाँ कोई व्यक्ति दोनों पक्षकारों की पहचान अथवा अन्य समस्त विवरणियाँ प्रमाणित नहीं करता है वहाँ एक से अधिक व्यक्तियों द्वारा प्रमाणित किया जा सकेगा।

प्ररूप—ख

(नियम 5 का उपनियम (1) देखें)

(विवाहों के रजिस्ट्रीकरण का रजिस्टर)

उत्तराखण्ड विवाहों का अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 2010 के अधीन

क्रमांक	आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की तारीख	आवेदन पत्र प्रस्तुत करने वाले व्यक्ति का नाम, पिता का नाम और पता	विवाह की तारीख	वर का नाम एवं उसके माता का नाम तथा पता हस्ताक्षर/ अगुष्ट चिन्ह एवं पहचान विवरण क्रमांक सहित	वधू का नाम एवं उसके माता अथवा पिता का नाम तथा पता हस्ताक्षर / अगुष्ट चिन्ह एवं पहचान विवरण क्रमांक सहित	प्रथम गवाह का नाम एवं उसके माता-पिता का नाम तथा पता हस्ताक्षर / अगुष्ट चिन्ह एवं पहचान विवरण क्रमांक सहित	द्वितीय गवाह का नाम एवं उसके माता-पिता का नाम तथा पता हस्ताक्षर/ अगुष्ट चिन्ह एवं पहचान विवरण क्रमांक सहित	विवाह के रजिस्ट्रीकरण की संख्या और प्रमाण पत्र जारी करने की तारीख
1	2	3	4	5	6	7	8	9

प्ररूप—ग

(नियम 5 का उपनियम (2) देखें)

(आवेदन पत्र को प्रत्यावर्तित या अस्वीकार करने का रजिस्टर)

उत्तराखण्ड विवाहों का अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 2010 के अधीन

क्रमांक	आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की तारीख	आवेदन पत्र प्रस्तुत करने वाले व्यक्ति का नाम, पिता का नाम और पता	विवाह के पक्षकारों का नाम एवं उनके माता-पिता अथवा संरक्षक का नाम तथा पता और	विवाह की तारीख	प्रत्यावर्तित किया गया या अस्वीकार किया गया है।	प्रत्यावर्तित अथवा अस्वीकार करने का कारण
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.

प्ररूप-घ

(नियम 6 का उपनियम (1) देखें)

(विवाह के अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण का प्रमाण पत्र)
उत्तराखण्ड विवाहों का अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 2010 के
अधीन

..... निवासी और श्रीमती प्रमाणित किया जाता है कि श्री पुत्र श्री
..... पुत्र श्री पत्नी श्री निवासी
..... के विवाह के ज्ञापन दिनांक
..... में दिये गये विवरणानुसार दिनांक को स्थान
..... पर अनुष्ठापित विवाह के ज्ञापन को जिल्द संख्या के पृष्ठ
संख्या / में क्रमांक पर दिनांक को दर्ज
कर लिया गया है।
तारीख

हस्ताक्षर

निबन्धक

विवाहों का अनिवार्य
रजिस्ट्रीकरण

प्रपत्र-च

(नियम 6 का उपनियम (2) देखें)

(विवाह के अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण हेतु प्रस्तुत आवेदन पत्र)
को वापस या अस्वीकार किये जाने संबंधी प्रारूप)
उत्तराखण्ड विवाहों का अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 2010 के
अधीन

श्री द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र दिनांक
जो कि ज्ञापनानुसार श्री एवं श्रीमती के मध्य अनुष्ठापित
विवाह दिनांक को पंजीकृत किये जाने हेतु प्रस्तुत किया गया
है को उत्तराखण्ड विवाहों का अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण नियमावली, 2010
के नियम 13 के उप नियम 1.2 के अन्तर्गत निम्न कारणों से वापस
किया जाता है:-

.....
.....
..... तथा नियम 3 के उपनियम (2) के खण्ड (घ) के अन्तर्गत अनुरक्षित
आवेदन पत्र को प्रत्यावर्तित या अस्वीकार करने के रजिस्टर के क्रम
संख्या वर्ष में अंकित किया जाता है।
दिनांक

हस्ताक्षर

निबन्धक

विवाहों का अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण

प्रापत्र-छ

(नियम 6 का उपनियम (3) देखें)

उत्तराखण्ड विवाहों का अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 2010 के
अधीन

(विवाह के अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण हेतु प्रस्तुत आवेदन पत्र
के संबंध में स्थानीय पुलिस को सूचना दिये जाने संबंधी प्रारूप)
थानाध्यक्ष

जनपद

श्री द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र दिनांक
जो कि ज्ञापनानुसार श्री एवं श्रीमती के
मध्य अनुष्ठापित विवाह दिनांक को पंजीकृत किये जाने हेतु
प्रस्तुत किया गया है, के संबंध में अवगत कराया जाता है कि प्रस्तुत
ज्ञापनानुसार श्री पुत्र श्री निवासी
की आयु वर्ष प्रदर्शित है, जिसके अनुसार वह अवयस्क
है।

अतः उत्तराखण्ड विवाहों का अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम-2010 के नियम 6 के उप-नियम 4 के अन्तर्गत सूचना
उक्तवत प्रेषित की जा रही है।

दिनांक

हस्ताक्षर
निबन्धक
विवाहों का अनिवार्य
रजिस्ट्रीकरण

प्रारूप-ज

(नियम 6 का उपनियम (5) देखें)

(रजिस्टर न कराये जाने की स्थिति में नोटिस का प्रारूप)
उत्तराखण्ड विवाहों का अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 2010 के
अधीन

सेवा में :-

श्रीमती/श्री

.....

.....

यह संज्ञान में आया है कि (यदि स्रोत पता हो तो
उल्लिखित किया जाय परन्तु आवश्यक नहीं) आपके मध्य (वधू और वर
का नाम उल्लिखित किया जाय) दिनांक को स्थान
पर विवाह अनुष्ठापित हुआ है।

एतद्वारा आपसे अपेक्षा की जाती है कि आप
अधोहस्ताक्षरी के समक्ष अपने विवाह को रजिस्टर कराने हेतु विवाह के
ज्ञापन को उत्तराखण्ड विवाहों के अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
2010 की धारा 5 के अनुरूप अनुसूची 'क' में विहित प्रारूप पर, प्रकरण

में देय शुल्क के साथ प्रस्तुत करें, यह भी अवगत हो कि ऐसा न करने पर उपर्युक्त अधिनियम की धारा 12 के अधीन आपको अभियोजित किया जा सकता है।

दिनांक

हस्ताक्षर
निबन्धक
विवाहों का अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण

प्रारूप-झ

(नियम 17 देखें)

(विवाह रजिस्टर में प्रविष्टियों की अनुक्रमणी बनाने का प्रारूप)
उत्तराखण्ड विवाहों का अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 2010 के
अधीन

नाम और पिता का नाम तथा पता	घोषणा पत्र का प्रस्तुतीकरण दिनांक	विवाह का दिनांक	विवाह के घोषणा पत्र में पक्षकार	घोषणा पत्र को दर्ज किये जाने का दिनांक	जिल्द संख्या	पृष्ठ संख्या	क्रमांक
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.



.....

प्ररूप-ख

(देखिये नियम 3 के उपनियम (2) का खण्ड (घ))
(आवदेन पत्र को प्रत्यावर्तित या अस्वीकार करने का रजिस्टर)

क्रमांक	आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की तारीख और प्रस्तुत करने वाले व्यक्ति का नाम	विवाह के पक्षकार और विवाह की तारीख	प्रत्यावर्तित किया गया या अस्वीकार किया गया है	प्रत्यावर्तित अथवा अस्वीकार करने का कारण
1	2	3	4	5

प्ररूप-ग

(देखिये नियम 5 के उपनियम (2) का परन्तुक देखें)

विवाह रजिस्ट्रेशन पावती प्रपत्र

श्री और श्रीमती.....के मध्य विवाह के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवदेन पत्र श्रीद्वारा प्रस्तुत किया गया
तारीख

हस्ताक्षर
उपनिबंधक
अनिवार्य विवाह रजिस्ट्रीकरण

प्ररूप-घ

(नियम 6 का उपनियम (2) देखें)

घोषणा का प्रपत्र

मेरे द्वारा श्री आवदेन पत्र दिनांकनियम 6 (प्रमाण पत्र सलंगन) को प्राप्त किया और उत्तराखण्ड विवाहों का अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 2010 के अधीन अनुरक्षित अनिवार्य विवाह के पृष्ठ भाग..... के क्रम.....वर्ष..... में अंकित किया गया ।
तारीख

हस्ताक्षर
उपनिबंधक
विवाहों का अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण

प्ररूप-च

(नियम 6 का उपनियम (3) देखें)
(रजिस्टर न किये जाने की स्थिति में नोटिस का प्ररूप)

सेवा में:-

श्रीमती/श्री

यह सज्ञान में आया है कि (यदि स्रोत पता हो तो उल्लिखित किया जाय परन्तु आवश्यक नहीं) आपके मध्य (वधू और वर का नाम उल्लिखित किया जाय) दिनांक को स्थान पर विवाह अनुष्ठापित हुआ है।

एतद्वारा आपसे अपेक्षा की जाती है कि आप निबंधक के समक्ष अपने विवाह को रजिस्टर करने हेतु विवाह के ज्ञापन को उत्तराखण्ड विवाहो के अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 2010 की धारा 5 के अनुरूप अनुसूची 'क' में विहित प्ररूप पर प्रस्तुत करें।
ऐसा न करने पर उपर्युक्त अधिनियम की धारा 12 के अधीन आपको अभियोजित किया जा सकता है।

तारीख

हस्ताक्षर

उपनिबंधक

विवाहो का अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण

प्ररूप-(छ)

(नियम 6 का उपनियम (3) देखें)
(विवाह के अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण का प्रमाण पत्र)

(विवाह का अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 2010 के अधीन)

प्रमाणित किया जाता है कि श्री पुत्र श्री ..
और श्रीमती..... पुत्री श्री
का ज्ञापन में दिये गये विवरणानुसार दिनांक को
अनुष्ठापित विवाह के ज्ञापन को जिल्द संख्या.....के पृष्ठ संख्या.....को
/.....में क्रमांक.....पर दिनांक.....को पंजीकृत कर दिया
गया है।

तारीख

हस्ताक्षर

उपनिबंधक

विवाहो का अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण



प्रपत्र-ज
(नियम 6 का उपनियम (4) देखें)
(विवाह का अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 2010 के अधीन)
(विवाह के अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण हेतु प्रस्तुत आवेदन पत्र
के संबंध में स्थानीय पुलिस को सूचना दिये जाने संबंधी प्ररूप)

ia",
of
n.

थानाध्यक्ष

जनपद.....

श्री..... द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र दिनांक.....

जो कि ज्ञापनानुसार श्री..... एवं श्रीमती.....
के मध्य अनुष्ठापित विवाह दिनांक..... को पंजीकृत किये जाने
हेतु प्रस्तुत किया गया है एवं जिसको कार्यालय में अनुरक्षित जिल्द
संख्या..... के पृष्ठ संख्या..... में क्रमांक..... पर दिनांक.....
को पंजीकृत किया गया है, के संबंध में अवगत कराया जाता है
कि प्रस्तुत ज्ञापनानुसार श्री..... पुत्र श्री..... निवासी.....
की आयु वर्ष प्रदर्शित है, जिसके अनुसार वह अवयस्क
है।

अतः उत्तराखण्ड विवाहों का अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम-2010 के नियम 6 के उप नियम 4 के अन्तर्गत सूचना
उक्तवत प्रेषित की जा रही है।
दिनांक:-

हस्ताक्षर
उपनिबंधक
विवाहों का अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण



210176-3

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of "the Constitution of India", the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of Notification No. / XXXVI (9)/2010 / stamp-09/2010 Dated for general information.

Uttarakhand Government
Women Empowerment and Child Development Section
No.3020 /XXXVI (9)/2010 / stamp-09/2010
Dehradun: Dated: 12 December 2012

Notification

In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 19 of the Uttarakhand Compulsory Registration of Marriage Act, 2010 (Uttarakhand Act No. 19 of 2010), the Governor is pleased to make the following rules for regulation of compulsory registration of marriages.

The Uttarakhand Compulsory Registration of Marriage Rules, 2012

- Short title, extent and commencement**
1. (1) These rules may be called the Uttarakhand Compulsory Registration of Marriage Rules, 2012.
 - (2) It shall extend to the whole State of Uttarakhand.
 - (3) It shall come into force on such date as the State Government may, by notification, appoint.
- Definitions**
2. In these rules, unless the context otherwise requires :--
 - (a) "Act" means the Uttarakhand Compulsory Registration of Marriage Act, 2010 (Uttarakhand Act No. 19 of 2010);
 - (b) "Registrar General" means the Inspector General of Registration appointed under section 3 of the Registration Act, 1908 (Act No. 16 of 1908);
 - (c) "Marriage" means such marriage which is covered by clause (e) of section 2 of the Uttarakhand Compulsory Registration of Marriage Act, 2010;
 - (d) "District Registrar" means the Registrar of the District appointed under section 6 of this Act and also includes the officer performing the duties of a Registrar under section 10 and 11 of this Act;

†



- (e) "Local Registrar" means Registrar appointed by the State Government under Registration Act, 1908 (Act No. 16 of 1908) and also include a person so appointed under section 12 of above Act;
- (f) Words and expressions used herein and not defined but defined in the Act, shall have the meaning respectively assigned to them in that Act.

**Jurisdiction of
District
Registrar and
Local Registrar**

3. For the purpose of these rules each Sub-Registrar under his jurisdiction shall exercise the powers and discharge the duties of Local Registrar and within the district each District Registrar shall exercise the powers and discharge the duties of Registrar.

**Registration of
Marriages**

4. (1) Any parties to a marriage, on payment of fees specified in rule 10 may get the details of this marriage entered in the marriage register kept for this purpose of the Sub-Registrar office.
- (2) The application (memorandum of marriage) as Schedule 'A' given in the Act for registration of marriage shall be given in two copies to the Sub-Registrar under whose jurisdictions the marriage was solemnized or under whose jurisdiction the husband permanently resides, but District Registrar may also accept an application at his discretion. One copy of the application shall be maintained in the office of the Sub-Registrar and one in the office of the District Registrar.
- (3) Along with the applications referred in sub-rule (2) there shall be a certificate regarding the verification of identification of parties and other details mentioned in the application which shall be given by any Member of Parliament, Member of State Legislative Assembly, Gazetted Officer, Pradhan of Gram Sabha, Sarpanch of Nyay Panchayat, Member /Chairman of Zila Panchayat, Member/ Head of Regional Committee, Member / Chairman of Municipal Board, Municipal Corporation, Town Board, Cantonment Board, namely, corporator/ Member/Councilor/ Chairman of local body

 2

and in case any party to the marriage is a resident of a place outside India, the N.O.C letter of confirmation regarding the verification of that party's identification and other details given by the Consul or Deputy Consul situated in India of the country of which the party is a citizen, shall be compulsorily enclosed the application.

**Register/
Registration
file of
Compulsory
Marriages**

5. (1) The application received for registration of marriage shall be entered serially by the registering officer in Schedule 'b' given in the Act.
- (2) The entry regarding rejection of application received for registration of marriage shall be made by registering officer serially in Schedule 'c' given in the Act.
- (3) Registering officer, in the main page of a plain register issued to him, shall certify the number of pages actually entered and also write the date of receipt / commencement of register. Serial number shall also be entered on the registers used by the registering officer.
- (4) At the end of each calendar year, the registering officer shall certify the number of registered application during that year and when a register is filled the registering officer shall also certify the number of registered application during that year and when a register is filled the registering officer shall also certify the number of the rejected application in that particular register.

**Submission /
Endorsement
of Application**

6. (1) Each application along with its second true copy shall be submitted before the registering officer and its execution shall be accepted by the bride. The identification of bridegroom and bride shall be made by two witnesses who will submit required proof regarding their own identification. The registering officer shall duly sign and endorse the application and its second true copy on the reverse side with following endorsement, namely:--

“Shri son of Shri
 resident of
 Identification No.
 submitted the memorandum the date
 of his marriage to day dated at office of Sub-
 Registrar the contract of which was also
 accepted by Mrs..... wife / daughter
 of Shri resident of
 identification No.
 who was identified by Shri son of Shri
 resident of
 Identification No. and Shri
 son of Shri resident of.....
 identification No.”

Signature

Registrar

Compulsory Registration of Marriage

Signature and thumb impression

Signature and thumb impression

Bridegroom

Bride

Signature and thumb impression

Signature and thumb impression

First Witness

Second Witness

- (2) After completion of proceeding as above, the registering officer shall complete the related entries in Schedule 'b' given in the Act enclosed with these rules and take signatures and thumb impressions of bridegroom and bride and both the witnesses. After that the registering officer shall release the certificate prescribed in Schedule 'd' given in the Act.
- (3) In case the declaration of marriage submitted before registering officer does not fulfill the prescribed formalities, he shall, after

4


entering it issue the form of rejection of application prescribed in Schedule 'e' given in the Act.

- (4) In case of declaration of marriage is submitted before a registering officer and according to the details/evidences given the declaration the bridegroom or the bride is minor, the registering officer shall issue the forms of rejection of application prescribed in Schedule 'e' given in the Act and shall inform the local police on form prescribed in Schedule 'f' given in the Act.
- (5) Under the provisions of section 20 of the said Act the registering officer shall file the compulsory registration under any other Act, namely- (a) Indian Christian Marriage Act, 1872; (b) Kazis Act, 1880; (c) Parsi Marriage and Divorce Act, 1936; (d) the Hindu Marriage Act, 1955; (e) the Special Marriage Act, 1954; (f) the Foreign Marriage Act, 1969 and Marriage Memorandum registered under any other prevailing Act also in addition to above, in separately maintained date wise register.
- (6) Under the provisions of section 13 the said Act the registering officer, on his own initiative or information that a certain marriage has not been registered, shall issue notice to the parties on the form prescribed schedule 'g' given in the Act.

**Sending of
Application
Forms**

7. On seventh day of every month or prior to that date the registering officer shall send to the District Registrar by registered post or by hand, duplicated copies of all the applications received during the previous month along with a covering letter which shall contain serial number of duplicate copies of application sent, and if no application was received during the previous month, shall send a letter indicating that no application was received.

Second copies

8. On receiving second copies of the application form send under rule 7, the District Registrar shall maintain such second copies in the office of District Registrar.

**Binding of
Application form
and Marriage
Registration
Certificates**

**Application
Fees**

9. The Registrar shall get the binding done of applications receiving them serially under rule 4 and of marriage registration certificate issued. One binding shall contain 400 pages and it shall be permanently maintained in the office.
10. (1) Fees for accepting applications for registration of marriage-
- (a) ₹ one hundred, in case the application is made within ninety days from the date of solemnization of marriage. It shall be paid in cash to the registering officer;
- (b) ₹ two hundred, in case the application is made after ninety days from the date of solemnization of marriage and it shall be paid in cash to the registering officer.
- (2) For receiving a copy of marriage registration certificate, the fees shall be ₹ fifty to be paid in cash to the registering officer. Application for certified copy shall be made in Form No. 28 of Annexure-1 of Registration Manual Part-2. A court fee of ₹ One shall be affixed to it and ₹ Ten stamp fee shall be payable. For ordinary copy, fees payable shall be ₹ Twenty Five, the copy shall be provided within a week. Fees for urgent copy shall be ₹ Fifty and it shall be provided with three days. For very urgent copy the fees shall be ₹ One Hundred and it shall be provided next day. Applications for certified copy shall be entered in a register provided in Form No 9 Annexure-1 of Registration Manual Part-2.
- (3) Fees for inspection -
- (a) ₹ Twenty Five, in case the entry is for current year;
- (b) ₹ Fifty, in case the entry is for the previous year, similarly, ₹ Ten extra for every previous year.
- (4) Application for inspection is to be made in the Form No. 30 of Annexure-1 of Registration Manual Part-2 and ₹ 10 is to be paid as application fee in addition to inspection fee. Application for inspection shall be entered into the register provided in Form No. 11 of Annexure -1 of Registration Manual Part-2.

Format of receipt

11. Form acknowledging the fees paid under these rules, a receipt shall be issued from receipt book as provided in Form No. 8 Annexure-1 of Registration Manual Part-2.

Fees Receipt Register

12. The registering officer shall maintain or arrange to maintain a fees receipt register as provided in Form No 13 Annexure-1 of Registration Manual Part-2. All the fees received as per rules shall be entered daily in fees receipt register and the registering officer shall sign it to verify the total receipt of fees during the day. The amount received daily shall be deposited in treasury on next working day.

Powers/ Duties of Registering Officer

13. (1) In case the application received by the registering officer under rule 4 is incomplete or faulty or in case the fees specified in rule 10 is not paid for any certified citation from Hindu Marriage Register, the registering officer shall require the parties to the marriage to rectify the fault or to pay the above fees, as the case may be, within a period specified by him. If it is not done so the application shall be rejected.
- (2) In case the registering officer receiving such application has no jurisdiction to receive it, he shall return it to the applicant for submitting it before the proper authority.
- (3) In case the registering officer objects to any application received for registration he shall send it to District Registrar who will decide on the matter and his decision shall be final, subject to any decree or order of any competent court, in connection with the action on application.
- (4) The details of all such applications which are returned or whose registration is rejected as above shall be entered in relevant register.
- (5) The registering officer shall not be responsible for any bonafide refusal to register a memorandum of marriage by him. The District Registrar shall not take cognizance of any such cases.

(6) According to the provisions of sub-section (2) of section 15 of Uttarakhand Compulsory Registration of Marriage Act, 2010 (Uttarakhand Act No. 19 of 2010), the approval of Registrar General shall be taken before making any complaint to the court under sub-section (2) of section 15 regarding the registering officer by the District Registrar. Such approval shall be given or action shall be taken by the Registrar General only after hearing the concerned Registering officer and after due consideration otherwise shall be made disciplinary proceeding.

(7) The registering officer shall have no concern to the trueness or authenticity of the facts described in request letter/ declaration letter regarding the registration of memorandum of marriage received by him. Such points shall be judged by the competent court when necessary.

(8) No any right of consideration in relation of truthness and validity of mentioned married in the received marriage memorandum to him of Registering Officer. Such matters shall be judge by the competent authority when necessary.

Superintendence 14.

The Registering Officer/Sub-Registrar/Local Registrar shall discharge his duties and exercise his powers under the general superintendence of Inspector General Registration, who shall be the *Ex-officio* Registrar General for the whole State.

Keep drafts
of application

15.

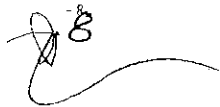
The Registering Officer shall keep the draft of application for registration in his office. The parties may use the typed forms on their options.

Maintenance
of Registers
and Records

16.

(1) All the registers provided in the rules and indexes specified in rule 17 shall be sent to the Central Record Room at headquarter of registration district after six years of being filled up and shall be permanently kept there.

Form



- (2) All the other records such as all enclosures received with the declaration of marriage; applications received for inspection of registers; applications and registers submitted for getting citations from registers and general correspondence and all letters etc. shall be destroyed after completion of one year, receipt books in three years, fees receipt register and challans in six years after taking permissions from District Registrar by the Registering Officer.

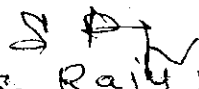
**Making index
of entries in
marriage
register**

17. (1) The index of all entries in marriage register shall be made in schedule register draft 'h' enclosed with these rules, entries in this shall be made by the name of bridegroom and the name of bride and the fees for such entries shall be as under :--
- (a) ₹ Twenty Five in case the entry is for current year;
- (b) ₹ Fifty in case the entry is for the last year and similarly ₹ Ten extra for every previous year.
- (2) It shall be available for inspection by any one.

Others

18. (1) Registration of all marriages under the Uttar Pradesh Hindu Marriage (Registration) Rules, 1973 prevailing in Uttarakhand shall be accomplished under the Uttarakhand Compulsory Registration of Marriage Rules, 2011 from such date which may be fixed as the date of coming into force the Uttarakhand Compulsory Registration of Marriage Rules, 2011.
- (2) In cases where there is no mention of any procedural facts, the procedure of registration of marriage covered by the Uttarakhand Compulsory Registration of Marriage Act, 2010 (Uttarakhand Act No. 19 of 2010) shall be accomplished according to the rules prescribed in Registration Act/Rules regarding the facts of reference.

By Order,


(S. Raju)
Principal Secretary.

Schedule 'A'
Memorandum of Marriage
(Section 5 and 6)

Uttarakhand Compulsory Registration of Marriage Act, 2010

(It is mandatory to fill all the entries of this form)

To,

Registrar,
Compulsory Registration of Marriage,

.....
District,
Uttarakhand.

Sir,

The marriage has been solemnized on (date) between the undersigned parties of (Mention religion, convention, tradition applied to the parties) as per provisions applied to us and we request that the following particulars of our marriage be registered in Uttarakhand Compulsory Registration of Marriage Register.

Particulars of Marriage

1. Date of Marriage
2. Place of Marriage (with sufficient details of the place so that it may be found easily)
3. Particulars of bridegroom
 - a) Full name and occupation
 - b) Native place (only particulars to be filled)
 - c) Age
 - d) General place of living (with PIN Code)
 - e) Permanent Address (with PIN Code)



f) Address at the time of making application (PIN code)
.....
.....

g) Status at the time of marriage – unmarried/widows/Divorcee
Particulars/serial no. of identification proofs.

Signature of bridegroom

Date:

Note: - Regarding point no. a to g above, a verified copy of necessary certificate, namely voter I.D card issued by Indian Election Commission or PAN/GIR issued by Income Tax Department or Photo Identity Card issued by a government department/ government undertaking/local body or pass book of a bank or Post office wherein the photograph has been verified or Pension book or disability certificate or Arms certificate or freedom fighter identification certificate or birth certificate or death certificate of spouse in case of a widower or decree of divorcee by a competent court, in case of a divorcee or any other certificate, regarding the age of the parties making the application and time of being present for registration of memorandum of marriage, verified copy of marriage invitation, if the date of marriage is earlier than two years before or verified copy of any other certificate regarding the place of solemnization of marriage should be enclosed.

4. Particulars of bride

- a) Full name and occupation
- b) Native place (only particular to be filled)
- c) Age
- d) General place of living (with PIN code)
- e) Permanent address (with PIN code)
- f) Address at the time of making application (with PIN code)
- g) Status at the time of marriage – unmarried, widower/divorcee
Particulars/serial no. of identification proofs

Signature of bride

Date



Note:- Point no. a to g above, a verified copy of necessary certificate, namely voter I.D card issued by Indian Election Commission or PAN/GIR issued by Income Tax Department or Photo Identity Card issued by a government department/ government undertaking/local body or pass book of a bank or Post office wherein the photograph has been verified or Pension book or disability certificate or Arms certificate or freedom fighter identification certificate or birth certificate or death certificate of spouse in case of a widow or decree of divorce by a competent court, in case of a divorcee or any other certificate, regarding the age of the parties making the application and time of being present for registration of memorandum of marriage, verified copy of marriage invitation, if the date of marriage is earlier than two years before or verified copy of any other certificate regarding the place of solemnization of marriage should be enclosed.

5. Full particulars of the father of the bridegroom: -

- a) Full name
- b) Age
- c) Occupation
- d) General place of living
- e) Address at the time of making application
- f) If living or dead?

Date:

Signature of father of
the bridegroom

Note: - Signature of father of the bride is not obligatory.

6. Particulars of father or guardian of the bride.

- a) Full name
- b) Age
- c) Occupation
- d) General place of living
- e) Address at the time of making application (with PIN code)
- f) Relation of guardian of the bride

Date:

Signature of father or guardian
of the bride

Note: - Where the age of the bride on the date of making application, is above 18 years, the signature of father or guardian of the bride is not obligatory but where the age of bride, on the date of making application is below 18 years and such marriage is being solemnized as per law in force at that time, the signature of father or guardian of the bride shall be obligatory.

7. Particulars of officiating priest

- a) Full name
- b) Age
- c) General place of living
- d) Address

Note: - If on the date of application, one year has passed since the date of marriage, the entries regarding the particulars of officiating priest are not obligatory.

Date:

Signature of officiating priest

Declaration

We, the undersigned solemnly declare under oath that as far as the solemnization of our marriage is concerned, the particulars given in the application are correct to the best of our knowledge and other are based on information and are correct as per our belief. In case the information given is found incorrect, the whole responsibility shall be of ours. May God help us.

8. Signature of bridegroom
Date:

Signature of bride
Date:

9 (1). Witness

- a) Full name
- b) Father's name
- c) Resident of (with PIN code)

Particulars/serial no. of identification proofs

Signature
Date:



(2). Witness

- a) Full name
- b) Father's name
- c) Resident of (with PIN code)
- d) Particulars/serial no. of identification proofs

Signature

Date:

Note:- Regarding the identification of witness a verified copy of necessary certificates namely voter I.D card issued by commission on PAN/GIR issued by Income Tax Department or Photo Identity Card issued by a government department/government undertaking/local body or pass book of a bank or Post office where in the photograph has been verified or Pension book or disability certificate or Arms certificate or freedom fighter identification certificate.

Verified by Name/Designation

Signature and Seal

Date:

(Shall be given by Member of Parliament, Member of State Legislature, Gazetted officer, Pradhan of Gram Sabha, Sarpanch of Nyay Panchayat, Member/Chairman of Zila Panchayat, Member/Head of Regional Committee, Member/Chairman of Municipal Board/Municipal Corporation, Town Board, Cantonment Board, i.e., corporator / Member /councilor/Chairman and in case any party to the marriage is a resident outside of India, a letter of confirmation/NOC given by the Consul/ Deputy Consul of the country of his citizenship, situated in India.

Note: - Where any person does not verify the identity of both the parties and all the other particulars, one or more persons may verify it.

Draft - B

(Vide sub-rule (1) of Rule 5)

(Register of Registration of Marriage)

Under the Uttarakhand Compulsory Registration of Marriage Act, 2010

Sl. No.	Date of submission of application	Name, Father's name and address of the person submitting the application	Date of Marriage	Bridegroom's name, his mother's or father's name and address, thumb impression and identity particulars along with serial number	Bride's name, her mother's or father's name and address, thumb impression and identity particulars along with serial number	First witness name his present address, thumb impression and identity particulars along with serial number	Second witness' name his present address, thumb impression and identity particulars along with serial number	Number of Registration of Marriage and date of issue of certificate
1	2	3	4	5	6	7	8	9

YES

Draft - C

(Vide sub-rule (1) of Rule 5)

(Register of Reversion or Rejection of Application)

Under the Uttarakhand Compulsory Registration of Marriage Act, 2010

Sl. No.	Date of submission of application	Name of person making the application, his Father's name and address	Names of parties to the marriage, Name of their parents or guardian and address	Date of Marriage	Reverted or Rejected	Reason for Reversion or Rejection
1	2	3	4	5	6	7

Draft - D

(Vide sub-rule (1) of Rule 6)

(Certificate of Compulsory Registration of Marriage)

Under the Uttarakhand Compulsory Registration of Marriages Act, 2010

This is to certify that as per particular given in Memorandum of Marriage dated of Shri Son of Shri Resident of and Shrimati wife of Shri resident of the Memorandum of Marriage solemnized on at has been entered at serial no. at page no. of volume no.

Date

Signature

Registrar

Compulsory Registration of Marriages

Draft - E

(Vide sub-rule (2) of Rule 6)

(Draft regarding return or rejection of application submitted for compulsory registration of marriage)

Under the Uttarakhand Compulsory Registration of Marriages Act, 2010

The application dated.... submitted by Shri which has been made for registration of marriage solemnized between Shri and Shrimati on (date) as per memorandum, is being returned under sub-rule of Rule 13 of Uttarakhand Compulsory Registration of Marriage Act, 2010 for the following reasons: -

.....
.....

and under clause (d) of sub-rule (2) of Rule - 3 the application is entered in serial no. Year of Reversion and Rejection register.

Date

Signature

Registrar

Compulsory Registration of Marriages



Draft - F

(Vide sub-rule (3) of Rule 6)

**Under Uttarakhand Compulsory Registration of Marriages Act, 2010
(Draft regarding information to be given to local police
in connection with the application submitted for
compulsory registration of Marriage)**

The Police Station Officer,
.....

District

This is to inform you regarding the application dated.....made by
Shri..... for registration of marriage solemnized between Shri
.....and Shrimati..... on (date).....as per the
memorandum, that the age of Shri resident ofis shown as
..... years accordingly he is a minor.

Therefore above information is being given as per sub-rule (4) of Rule - 6 of
Uttarakhand Compulsory Registration of Marriage Act, 2010.

Date.....

Signature

Registrar
Compulsory Registration of Marriages



Draft – G

(Vide sub-rule (5) of Rule 6)

(Draft of notice in case of non-registration)

Under Uttarakhand Compulsory Registration of Marriage Act, 2010

To,

Shrimati/Shri

.....

.....

It has come to the notice (if the source is known, it may be mentioned, but not necessarily) that the marriage has been solemnized between you (mention the name of bride and bridegroom) on (date) at (place)

It is hereby expected from you that you submit your Memorandum of Marriage for registration along with the fees payable for this purpose, before the undersigned in format prescribed in schedule 'A' as per Section – 5 of Uttarakhand Compulsory Registration of Marriage Act, 2010. Be it known also that on not doing so you may be prosecuted under Section – 12 of the above Act.

Date.....

Signature

Registrar

Compulsory Registration of Marriages

Draft – H

(Vide Rule 17)

(Draft of making index of entries in Marriage Register)

Under Uttarakhand Compulsory Registration of Marriages Act, 2010

Name, Father's Name and Address	Date of submission of declaration letter	Date of Marriage	Parties in the declaration letter of marriage	Date of entering of declaration letter	Vol. No.	Page No.	Serial No.
1	2	3	4	5	6	7	8

Draft - B

(Vide clause (d) of sub-rule (2) of Rule 3)

Register of Reversion or Rejection of Applications

Sl. No.	Date of submission of application and Name of person making application	Parties to the marriage and Date of Marriage	Reverted or Rejected	Reason for Reversion or Rejection
1	2	3	4	5

Draft - C

(Vide proviso to sub-rule (2) of Rule 5)

Marriage Registration Acknowledgement Form

Application for registration of marriage between Shri and Shrimati

..... has been submitted by Shri

Date

Signature

Deputy Registrar

Compulsory Registration of Marriages

Draft - D

(Vide sub-rule (2) of Rule 6)

Form of Declaration

The application of Shri..... is received by me on (date) Rule - 6 (certificate enclosed) and entered in serial no. of page no. year under Uttarakhand Compulsory Registration of Marriage Act, 2010.

Date

Signature

Deputy Registrar

Compulsory Registration of Marriages



Draft – E

(Vide sub-rule (3) of Rule 6)

Draft of notice in case of non-registration

Under Uttarakhand Compulsory Registration of Marriages Act, 2010

To,

Shrimati/Shri

.....

.....

It has come to the notice (if the source is known, it may be mentioned, but not necessarily) that the marriage has been solemnized between you (mention the name of bride and bridegroom) on (date) at (place).....

It is hereby expected from you that you submit your Memorandum of Marriage for registration before the undersigned in format prescribed in schedule 'A' as per Section – 5 of Uttarakhand Compulsory Registration of Marriage Act, 2010, on not doing so you may be prosecuted under Section – 12 of the above Act.

Date.....

Signature

Registrar

Compulsory Registration of Marriages

Draft – F

Vide subrule (3) of Rule 6

(Certificate of Compulsory Registration of Marriage)

Under Compulsory Registration of Marriage Act, 2010

This is to certify that as per particulars given in Memorandum of Marriage dated..... of Shri.....son of Shri..... and Shrimati.....Daughter of Shri..... the Memorandum of marriage solemnized on (date)..... has been registered at serial no..... at page no..... of volume no.....on (date).....

Signature

Deputy Registrar

Compulsory Registration of Marriages



Form - G

Vide sub-rule (4) of Rule 6

(Under Compulsory Registration of Marriages Act, 2010)
(Draft regarding the information to be given to local police in connection with
the application submitted for compulsory registration of marriage)

The Police Station Officer,
.....

District.....

Regarding the application dated.....submitted by Shri.....
which as per memorandum has been submitted for registration of marriage
solemnized on (date).....and which has been registered on(date), serial
no..... of page no.....of volume no.....maintained in office, this is to inform you
that as per memorandum submitted the age of Shri.....son of
Shri.....resident of.....is shown asyears.
Accordingly he is a minor.

Therefore, this information is being given to you under sub-rule (4) of Rule -
6 of Uttarakhand Compulsory Registration of Marriages Act, 2010.

Date.....

Signature

Deputy Registrar
Compulsory Registration of Marriage.

